दैनिक भारत कि

# तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-४१ वा | रविवार ९ ऑगस्त २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

# अमरसिंह पंडित के मंसूबों को उखाड़ फेंकने के लिए बदामराव पंडित, बाळराजे पवार का विराट शक्ति प्रदर्शन

## पंकजाताई के पास जादू की छड़ी; जि.प., पं.स., न.प. पर कब्जा करेंगी-शंकरराव देशमुख

काझी अमान/गेवराई

स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं की चुनावी उम्मीदवार चयन और मोर्चेबंदी के लिए गेवराई में पूर्व राज्यमंत्री बदामराव पंडित तथा युवा नेता बाळराजे पवार ने शनिवार को संयुक्त रूप से आयोजित बैठक में भाजपा के इच्छुक उम्मीदवारों की भारी भीड़ देखने को मिली। इस विराट सभा स्वरूप वाली बैठक में पंडित-पवार दोनों ने एकजुट होकर चुनाव लड़ने और विरोधी पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित तथा विधायक विजयसिंह पंडित के सत्ता के पीछे से आम आदमी को नचाने व बहकाने के मंसूबों को उलट-पुलट करने की घोषणा की। इस मौके पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने जोरदार तालियां बजाकर नारे लगाते हुए जश्न मनाया। महाराष्ट्र राज्य की कैबिनेट मंत्री लोकनेत्री नामदार पंकजाताई गोपीनाथराव के हाथ में जादू की छड़ी है और इस छड़ी को घुमाकर वे जिला परिषद, पंचायत समिति तथा नगर परिषद को भाजपा के कब्जे में लेंगी, ऐसा प्रतिपादन भाजपा के जिला अध्यक्ष शंकरराव देशमुख ने इस अवसर पर किया।

नगर परिषद, पंचायत समिति तथा जिला परिषद चुनाव की पृष्ठभूमि पर गेवराई में शनिवार, दिनांक ८ नवंबर २०२५ को भारतीय जनता पार्टी के इच्छुक उम्मीदवारों की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में भाजपा नेता, पूर्व राज्यमंत्री बदामराव पंडित, भाजपा युवा नेता बाळराजे पवार, भाजपा जिला अध्यक्ष शंकरराव देशमुख, पूर्व सभापति युधाजित पंडित, जिला उपाध्यक्ष सुंदर चव्हाण, जिला सचिव एड. सुरेशराव हात्ते, भाजयुमो जिला अध्यक्ष संजय आंधळे, जिला सरचिटणीस गणेश लांडे, पूर्व तालुका अध्यक्ष प्रकाशराव सुरवसे, युवा नेता रोहित पंडित, युवा नेता यशराज पंडित, युवा नेता शिवराज पवार, प्रा. पी.टी. चव्हाण, तालुका समन्वयक श्रीकांत सानप, सतीश पाटील, शामराव पवार, गेवराई तालुका अध्यक्ष एडवोकेट उद्धव रासकर, सचिन दाभाडे, राजेश पवार, बीड तालुका अध्यक्ष मनोज पाटील, माजलगाव तालुका अध्यक्ष रुपाली कचरे, रंजनाताई नागरे, विस्तारक ईश्वर पवार आदि की प्रमुख उपस्थिति रही। इस अवसर पर धनगर समाज के अध्यक्ष अंबादास पिसाळ के नेतृत्व में धनगर समाज बंधुओं ने बदामराव पंडित, बाळराजे पवार तथा शंकरराव देशमुख का घोंगड़ी और छड़ी देकर सत्कार किया। बैठक में कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन करते हुए भारतीय जनता पार्टी के बीड जिला अध्यक्ष शंकरराव देशमुख ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य की कैबिनेट मंत्री तथा लोकनेत्री नामदार पंकजाताई मुंडे के हाथ में स्व. गोपीनाथराव मुंडे साहेब जैसी ही जादू की छड़ी है और इस चुनाव में इस छड़ी को घुमाकर वे जिला परिषद, पंचायत समिति तथा नगर परिषद को भाजपा के नियंत्रण में लेंगी, ऐसा विश्वास उन्होंने व्यक्त किया।

### गेवराई नगराध्यक्ष पद के लिए भाजपा की ओर से सौ. गीताभाभी पवार के नाम की घोषणा

**इस मौके पर भाजपा के बीड जिला अध्यक्ष शंकरराव देशमुख ने महाराष्ट्र राज्य की कैबिनेट मंत्री तथा लोकनेत्री नामदार पंकजाताई मुंडे के आदेश पर गेवराई नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी की ओर से सौ. गीताभाभी बाळराजे पवार के नाम की घोषणा की। इस घोषणा का पंडित-पवार तथा भाजपा कार्यकर्ताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट में स्वागत करते हुए गीताभाभी सहित भाजपा के सभी उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प व्यक्त किया।**

इस अवसर पर बोलते हुए बदामराव पंडित ने कहा कि स्व. गोपीनाथराव मुंडे साहेब के साथ मैंने कई वर्षों तक काम किया। लोगों के आशीर्वाद मेरे साथ हैं, इसलिए उन्होंने मुझे मंत्री पद पर काम करने का अवसर दिया। आज पंकजाताई मुंडे के नेतृत्व में हम भाजपा में शामिल हुए हैं और मैं तथा बाळराजे पवार गेवराई वासियों के बल पर स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव का सामना कर रहे हैं। मेरे पिता लहूराव तात्या पंडित तथा बाळराजे पवार के दादा शाहूराव पाटील उर्फ भाऊसाहेब पवार के अत्यंत पारिवारिक संबंध थे। अब हमारे संबंध फिर जुड़े हैं, इन्हें हम अंत तक बनाए रखेंगे, ऐसा विश्वास देते हुए बदामराव पंडित ने कहा कि विजयसिंह पंडित विधायक बन गए हैं, लेकिन लोग आज भी मुझे ही विधायक कहते हैं। उन्होंने एक भी नेता या कार्यकर्ता खड़ा नहीं किया। सिर्फ विभिन्न कारणों से ब्लैकमेल करके कार्यकर्ताओं की फूट डालने का ही काम वे कर रहे हैं। इस चुनाव में हम एकजुट और एकदिल होकर उन्हें उनकी औकात दिखाएं। उम्मीदवारी के लिए कोई नाराज न हो, पार्टी नेतृत्व जो निर्णय लेगा, उस उम्मीदवार को ताकत से जिताएं, ऐसा आह्वान अंत में उन्होंने किया। बाळराजे पवार ने कहा कि अमरसिंह पंडित को लगता है कि जनता उनके ताल पर नाचे। लेकिन मैं उन्हें नचने नहीं दूंगा। तालुका की बिखरी हुई व्यवस्था हमें संभालनी है। बदामराव आबा पंडित ने हमें राजनीति में कभी परेशान नहीं किया। अब आबा और मैं साथ आए हैं। जिन्हें दैठण की ग्राम पंचायत ठीक से संभालनी नहीं आती, वे अमरसिंह पंडित गेवराई तथा बीड का नेतृत्व करने का सपना देख रहे हैं। यहां गेवराई में अधिकारी भ्रष्टाचार करके रोज लाखों रुपये कमा रहे हैं। २९ हजार घरकुल पंकजाताई की वजह से तालुका में मंजूर हुए, लेकिन गेवराई के विधायक ने इसका धंधा शुरू कर दिया। पिछले पांच महीनों में इन्होंने तालुका में तमाशा चलाया है। इसे हमें बंद करना है। गुटबाजी की राजनीति मत करो, स्वाभिमान गिरवी मत रखो। आप सबके बल पर आगे अमरसिंह पंडित पर गुलाल नहीं पड़ने दूंगा, ऐसा कहकर बदामराव पंडित, युधाजित पंडित तथा मुझे कभी भी पुकारो, आपके बाल का भी नहीं बांका होगा, ऐसा विश्वास भी बाळराजे पवार ने इस मौके पर जताया।

युधाजित पंडित ने कहा कि पंकजाताई मुंडे ने मुझे जिला परिषद में अर्थ एवं निर्माण सभापति के रूप में काम करने का अवसर दिया, तब हम तालुका में करोड़ों रुपये के काम कर सके। अब फिर उनके नेतृत्व में हमें स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव लड़ने हैं, इसमें सफलता मिलनी ही चाहिए, इसके लिए सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिए। आपको कोई संकट आए तो सड़क पर सबसे आगे यह युधाजित पंडित होगा, ऐसा विश्वास देते हुए बदामराव आबा तथा बाळराजे दादा के साथ आने से इस चुनाव में विजय का गुलाल हमारा ही होगा, ऐसा भी उन्होंने कहा।

कार्यक्रम में एड. एम.एस. इंदानी, पूर्व नगराध्यक्ष सुशील जवंजाळ, एड. राजेंद्र राक्षसभुवनकर, भीष्माचार्य दाभाडे, अमोल करांडे, बाळासाहेब राऊत, पोपटभाऊ छाजेड, जगदीश मस्के, शेख एजाज, कैलास माने, शामराव राठोड गुरुजी, युवराज डोंगरे, राजाभाऊ तेलुरे, एडवोकेट ज्ञानेश्वर खाडे, संतराम काळे, धर्मराज आहेर, बंडू आप्पा घोलप, नंदू गाडे, संभाजीराव आहेर, महादेव औटी, सतीश सपकाळ, सुरेश भाऊ राका, सुरेश भाऊ रसाळ, अमर टेलर, विठ्ठल जाधव, तय्यब पठाण, दिगंबर येवले, राहुल खंडागळे, किरण आहेर, गोविंद जोशी, शिवाजीराव चव्हाण, बदाम पौळ, कैलास राठोड, सुभाष शिंदे, निसारभाई, तुकाराम हराळे, बळीराम खरात, कानिफनाथ नागरे, बळीराम करे, सय्यद मुक्तार अली, शामदभाई पटेल, भाऊसाहेब माखले, मिलिंद वाघमारे, बाळासाहेब नागटिळक, मुकुंद बाबर, बबलू खराडे, शेख शेहदाद, श्याम कुंड, अशोकराव वंजारे, संभाजी चोरमले, बप्पा पारेकर, बाळू मासाळ, बाबा मोटे, विनोद शिंदे, नंदू शिंदे, बप्पासाहेब करे, अब्दुल कदीरभाई, अविनाश राठोड आदि सहित भाजपा के कार्यकर्ता, पदाधिकारी तथा नागरिक हजारों की संख्या में उपस्थित थे।

## ओबीसी नेताओं पर झूठे आरोप लगाकर उन्हें समाप्त करने की साजिश तुरंत बंद करो!-ॲड.सुभाष राऊत

बीड (प्रतिनिधि):

ओबीसी समाज के आरक्षण अधिकार के लिए खुलकर बोलने वाले ओबीसी नेताओं पर झूठे आरोप लगाकर उनके राजकीय व सामाजिक अस्तित्व को खत्म करने का प्रयत्न किया जा रहा है. असे करणारे स्वयंघोषित नेते आधी स्वतःचे चारित्र्य तपासावे आणि नंतर इतरांवर आरोप करावेत, असे प्रतिपादन अखिल भारतीय महात्मा फुले समता परिषदेचे प्रदेश सरचिटणीस ॲड. सुभाष राऊत यांनी केले आहे.

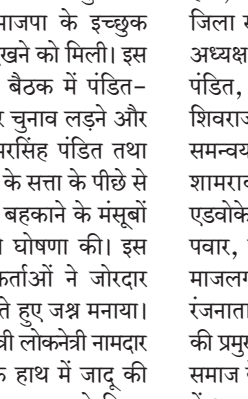

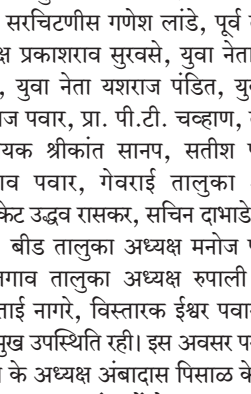

राऊत म्हणाले की, स्वतःच्या संरक्षणासाठी समाजाचा आधार घेणारे जर समाजाचे रक्षण करणाऱ्या नेत्यांवर आरोप करत असतील, तर ते सूर्याला विष ओकण्यासारखे आहे. आमदार धनंजय मुंडे यांच्यावर अंधाधुंद आरोप करणाऱ्यांनी आधी स्वतःची परिस्थिती आणि चारित्र्य तपासावे. कार्यकर्ते तुमचेच आहेत, ते तुम्हाला देव मानतात, मग तुमच्या विरोधात कट कसा रचला जातोय हे तपासून पाहा. आधी स्वतःचे पाय भक्कम आहेत का हे पाहा, त्यानंतरच ओबीसी नेत्यांवर आरोप करा.

ॲड. राऊत यांनी पुढे म्हटले की, गेल्या दोन वर्षांपासून ओबीसी समाजातील नेत्यांचे सामाजिक आणि राजकीय खच्चीकरण करण्याचा प्रयत्न काही जातीयवादी लोकांकडून होत आहे. मात्र अशा लोकांच्या खोट्या प्रचाराला न भुलता ओबीसी समाजाचे राष्ट्रीय नेते ना. छगनराव भुजबळ, आमदार धनंजय मुंडे आणि इतर ओबीसी नेते आपल्या हक्कांसाठी सर्वतोपरी लढा देत आहेत. तरीही काही विघ्नसंतोषी लोक हे ओबीसी नेत्यांचे राजकीय आणि सामाजिक चारित्र्यहरण करण्याचा प्रयत्न करीत आहेत. अशा लोकांनी आधी स्वतःचे चारित्र्य तपासावे आणि नंतरच ओबीसी नेत्यांवर बोट ठेवावे, असा सल्ला ॲड. सुभाष राऊत यांनी दिला आहे.



## बीड नगरपरिषद की छत पर कर्मचारी धांडे कि खुदकुशी, साथी कर्मचारियों के लिखे नाम।

बीड, दिनांक ८ (प्रतिनिधि):

बीड नगरपरिषद के वसूली विभाग में कार्यरत कर्मचारी अविनाश धांडे ने ७ नवंबर को नगरपरिषद की इमारत की छत पर स्थित लोहे की सीढ़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या की।

धांडे की आत्महत्या से नगरपरिषद परिसर में हड़कंप मच गया है।

उनके मोबाइल में मिले 'नोटपैड' के मजकूर (टेक्स्ट) से यह मामला और भी गंभीर हो गया है –

क्योंकि उसमें उन्होंने डीपीओ, तत्कालीन मुख्याधिकारी सहित चार लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

घटना का विवरण

अविनाश धांडे शुक्रवार को पूरे दिन नगरपरिषद कार्यालय के सामने बैठे थे।

शाम के समय वे एक जेरॉक्स (फोटोकॉपी) दुकान में गए और वहां चाय पी।

इसके बाद वे अचानक गायब हो गए।

रात देर तक घर नहीं लौटने पर उनके परिजन उन्हें खोजने निकले।

नगरपरिषद के विभिन्न विभागों में तलाश करने के बाद जब वे छत पर गए,

तो वहां अविनाश धांडे को फांसी पर लटका हुआ पाया गया।

सूचना मिलने पर शहर पुलिस मौके पर पहुँची,

पंचनामा (मौका मुआयना) किया गया और शव को जिल्हा अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

शनिवार को उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया।

मोबाइल में मिला अहम सुराग

इस बीच, उनके मोबाइल फोन में मिले नोट्स में कुछ व्यक्तियों के नाम पाए गए हैं।

ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि –

क्या इन लोगों के उत्पीड़न या दबाव के कारण ही अविनाश धांडे ने आत्महत्या की?

उनके परिजनों ने इस घटना की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की है,

ताकि असली कारण और दोषियों का पर्दाफाश हो सके।

## तीन अपराधियों पर जिला बदर (हद्दपारी) की कार्रवाई

बीड, दिनांक ८ (प्रतिनिधि):

जिले में अवैध धंधों पर नियंत्रण रखने और नागरिकों को गुंडों से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से बीड जिले के पेठ बीड पुलिस थाना क्षेत्र के तीन अपराधियों को जिले से हद्दपार किया गया है।

निखिल किरण धारू (निवासी वातारवेस पेठ, बीड), शेख अख्तर शेख रशीद (निवासी अचानक नगर पेठ, बीड) और बालाजी सुनील गुणवंत (निवासी भोई गल्ली, पेठ बीड) – इन तीनों पर पेठ बीड पुलिस थाने में विभिन्न धाराओं के अंतर्गत अपराध दर्ज थे। इन पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने के बाद भी उनके आचरण में कोई सुधार नहीं हुआ।

नगरपरिषद चुनाव की पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत ने इन अपराधियों को हद्दपार करने के आदेश दिए। इसके अनुसार, पेठ बीड पुलिस थाने ने महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम १९५१ की धारा ५६(१)(अ) के अनुसार प्रस्ताव तैयार कर उपविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) कार्यालय, बीड को भेजा।

उपविभागीय दंडाधिकाऱ्यांनी प्रस्ताव का अवलोकन करने के बाद दो अपराधियों को छह महीने और एक अपराधी को एक वर्ष के लिए जिले से हद्दपार करने का आदेश दिया। यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक मारुती खेडकर, सहायक पुलिस निरीक्षक प्रितमकुमार पुजारी, पुलिस हवलदार सुभाष मोठे, नितीन राठौड़, अजित शिकेतोड, तुकाराम चांदणे और पुलिस अमलदार औदुंबर गिरी यांनी संयुक्त रूप से की।

## उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

# किसानों की जिंदगी तबाही के कगार पर, उचित मुआवजा दिया जाए

## चुनावों में पारदर्शिता के लिए वीवीपैट अनिवार्य, जनता का भरोसा बहाल होगा-शरद पवार

अकोला: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-एसपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने अकोला में मीडिया से बातचीत में कहा कि मेहनती किसानों की जिंदगी दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है और कृषि क्षेत्र की बदलती स्थिति ने हालात को और चिंताजनक बना दिया है। जनसंख्या बढ़ रही है और खेती की जमीन लगातार कम होती जा रही है। विकास कार्यों के लिए जमीन अधिग्रहित की जाती है, जिससे किसानों पर बोझ बढ़ता जा रहा है। इस बोझ को कम करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

शरद पवार ने आगे कहा कि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मुआवजा मिलना ही सरकार की बुनियादी नीति होनी चाहिए, क्योंकि कर्जमाफी के दावे तो बहुत किए गए, लेकिन उनमें व्यावहारिक प्रगति कम दिखाई देती है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों से वह कृषि क्षेत्र में एआई तकनीक के उपयोग का लगातार अध्ययन कर रहे हैं। उनके अनुसार, इस तकनीक का उपयोग केला, गन्ना और अन्य फसलों में असाधारण परिणाम देता है और उत्पादन में आश्चर्यजनक वृद्धि संभव है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की खुशकिस्मती है कि यहां चार कृषि विश्वविद्यालय हैं, जिन्हें कपास और सोयाबीन जैसी फसलों में एआई के बेहतर उपयोग पर काम करना चाहिए।

शरद पवार ने कहा कि सरकार को किसानों के लिए बेहतर मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए ताकि जैविक खेती सहित विभिन्न आधुनिक तरीकों से व्यावहारिक लाभ पहुंच सके। उन्होंने कहा कि उत्पादन लागत और बाजार से मिलने वाली कीमत में संतुलन बनाना अनिवार्य है।

पारिवारिक राजनीति पर सवाल: शरद पवार ने स्पष्ट किया कि प्रशासन और राजनीति को परिवार से अलग रखना चाहिए। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके अपने परिवार में भी चुनावों के दौरान एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार मैदान में उतरे थे, इसलिए पारिवारिक रिश्तों का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। हम विचारधारा के आधार पर राजनीतिक रास्ता अपनाते हैं।

पुणे की जमीन विवाद पर: शरद पवार ने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है और खुद मुख्यमंत्री फडणवीस ने इसे संवेदनशील बताया है। इसलिए यदि सरकार इसे वास्तव में गंभीर मानती है तो निष्पक्ष जांच कराकर तथ्यों को जनता के सामने रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि चूंकि राज्य सरकार ने इस मामले की जांच समिति गठित कर दी है, इसलिए रिपोर्ट आने पर वास्तविक स्थिति सामने आ जाएगी।

आगामी चुनावों पर: शरद पवार ने कहा कि वीवीपैट के माध्यम से मतदान से किसी भी तरह का संदेह नहीं रहता और यह प्रणाली पारदर्शिता और जनता का भरोसा कायम रखने का सबसे बेहतर तरीका है।

महाविकास आघाड़ी और मनसे के बीच संभावित गठबंधन: इस सवाल पर उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर महाविकास आघाड़ी की पार्टियां मिलकर फैसला करेंगी और जल्दबाजी के बजाय विस्तृत विचार-विमर्श के बाद ही अंतिम रुख अपनाया जाएगा।

## अंशतः अनुदानित शिक्षकों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता-श्रीमती प्रियाराणी पाटील

### अंशतः अनुदानित विद्यालयों की ओर से शिक्षा अधिकारी और वेतन अधीक्षक का सत्कार

बीड/प्रतिनिधि

जिले के शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए मैं हमेशा प्रयत्नशील रहती हूँ। विशेष रूप से बिना अनुदानित और अंशतः अनुदानित शिक्षकों के मुद्दों को मैं सदैव प्राथमिकता देती हूँ और आगे भी ऐसे शिक्षकों की समस्याओं को हल करने के लिए प्रयासरत रहूंगी - ऐसा वक्तव्य माध्यमिक विभाग की शिक्षा अधिकारी श्रीमती प्रियाराणी पाटील ने व्यक्त किया। वे बीड जिला अंशतः अनुदानित शाला कृती समिति की ओर से आयोजित सत्कार समारोह में बोल रही थीं। इस अवसर पर शिक्षा अधिकारी श्रीमती पाटील और वेतन अधीक्षक श्री राजेश खटावकर का समिति की ओर से सम्मान किया गया।

राज्य सरकार ने राज्यभर की अंशतः अनुदानित विद्यालयों को अतिरिक्त २० प्रतिशत अनुदान मंजूर किया है। इस बढ़े हुए २० प्रतिशत अनुदान के अनुसार अक्टूबर माह का वेतन इन विद्यालयों के सभी शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के खातों में समय पर जमा करने का कार्य शिक्षा विभाग द्वारा तत्परता से पूरा किया गया। इसके लिए शुक्रवार, ७ नवंबर को बीड जिला विना अनुदानित शाला कृती समिति की ओर से शिक्षा अधिकारी श्रीमती प्रियाराणी पाटील, उपशिक्षणाधिकारी श्री तुरुकमारे, पे यूनिट अधीक्षक श्री राजेश खटावकर, वरिष्ठ मुख्य लिपिक श्री चाटे और वरिष्ठ लिपिक श्री खडकीकर का सम्मान किया गया।

यह सत्कार मराठवाड़ा अध्यक्ष श्री वैजनाथ चाटे, छत्रपति संभाजीनगर कार्याध्यक्ष श्री जितेंद्र डोंगरे, बीड जिलाध्यक्ष श्री आत्माराम वाव्हळ, श्री बाळासाहेब नागरगोजे, श्री सुरेश कदम, श्री खाडे, श्री नामदेव मुंडे, श्री शेख, श्री गंगार्डे और श्री लहाने ने किया।

इस अवसर पर श्रीमती प्रियाराणी पाटील ने कहा कि वे बीड जिले के शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा प्रयासरत हैं। उन्हें बिना अनुदानित और अंशतः अनुदानित शिक्षकों के संघर्ष का भान है, और उनके परिवारों के प्रति सहानुभूति भी है। इसलिए ऐसे शिक्षकों की समस्याओं को हल करने के लिए वे स्वयं पहल करती हैं और प्राथमिकता से काम करती हैं। उन्होंने आगे भी इसी प्रकार अंशतः अनुदानित और विना अनुदानित विद्यालयों के शिक्षकों के प्रश्नों के समाधान के लिए प्रयत्नशील रहने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में विना अनुदानित शाला कृती समिति के पदाधिकारी, मुख्याध्यापक, शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री नामदेव मुंडे ने किया और आभार प्रदर्शन श्री सुरेश कदम ने किया।

शिक्षा विभाग की तत्परता सराहनीय - वैजनाथ चाटे

राज्य के अंशतः अनुदानित विद्यालयों के शिक्षकों ने अनेक वर्षों तक निष्ठापूर्वक सेवा की है। सरकार के निर्णय से इन शिक्षकों के कार्य को मान्यता मिली है। दीपावली के अवसर पर शिक्षकों के खातों में २० प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान जमा कराने में शिक्षा विभाग ने जो तत्परता दिखाई है, वह प्रशंसनीय है। आगे भी विभाग के अधिकारी और कर्मचारी बिना अनुदानित विद्यालयों के शिक्षकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करेंगे, ऐसी आशा व्यक्त की गई।

शिक्षकों के मुद्दों पर शिक्षा विभाग सदैव सकारात्मक - जितेंद्र डोंगरे

बीड जिले के अंशतः अनुदानित और बिना अनुदानित विद्यालयों के शिक्षकों के हर प्रश्न पर शिक्षा अधिकारी श्रीमती पाटील और उनके अधिकारी वर्ग ने सदैव सहानुभूतिपूर्ण और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है। ऐसे शिक्षकों की कठिनाइयों के समाधान के लिए विभाग प्राथमिकता से कार्य करता है। आगे भी यह सहयोग इसी प्रकार जारी रहे, ऐसी मांग छत्रपति संभाजीनगर विभाग के कार्याध्यक्ष श्री जितेंद्र डोंगरे ने की।

आपके कार्यकाल में मिले १००% अनुदान - आत्माराम वाव्हळ

बीड जिले के माध्यमिक विभाग की शिक्षा अधिकारी श्रीमती प्रियाराणी पाटील, उपशिक्षणाधिकारी नानाभाऊ हजारे, तुरुकमारे, विस्तार अधिकारी मनोज धस और अन्य अधिकारियों के सहयोग से आज शिक्षकों के खातों में २० प्रतिशत अतिरिक्त वेतन जमा हुआ है। इसका पूरा श्रेय श्रीमती पाटील और उनकी टीम को जाता है।

आप जैसे सक्षम अधिकारियों के कारण जिले के अंशतः अनुदानित विद्यालयों के शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को यह अनुदान प्राप्त करने के लिए अधिक संघर्ष नहीं करना पड़ा। आगामी चरण में पूर्ण १०० प्रतिशत अनुदान भी आपके ही कार्यकाल में मिले, ऐसी आशा बीड जिलाध्यक्ष श्री आत्माराम वाव्हळ ने व्यक्त की।

## सम्मेद शिखरजी तीर्थयात्रा का आयोजन

बीड महाराष्ट्र दि: ८ (प्रतिनिधी-वैभव कुमार जैन ) श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ यात्रा संघ दिल्ली ने पवनजी जैन गोधा दिल्ली के नेतृत्व में मराठवाड़ा में जैन समुदाय के लिए एक अनूठा और ऐतिहासिक आयोजन, १२वीं सम्मेद शिखरजी यात्रा का आयोजन १४ नवंबर से १८ नवंबर तक भारत भर के प्रमुख शहरों से किया है। जैन धर्म के २४ तीर्थंकरों में से २० तीर्थंकरों कि निर्वाण से पावन हो चुकी भूमि, शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेद शिखरजी पहाड़ पर तीर्थ वंदना करने के लिए पूरे भारत से लगभग ११,००० जैन श्रद्धालु एक ही दिन में आएंगे। भारत के प्रमुख शहरों से कई ट्रेनों द्वारा इस भव्य तीर्थयात्रा का आयोजन किया गया है। यह यात्रा १३ नवंबर, २०२५ को शुरू होगी १५ नवम्बर को दोपहर १ से ३ बजे तक विद्यासागरजी महामुनिराज संघ के ५७ मुनियों के सान्निध्य में सम्मेद शिखरजी विधान का आयोजन गुणायतन स्थित सम्मेद शिखरजी में होगा। इसमें ५ लकी ड्रा निकाले जाएंगे, जिसमें ५ स्वर्ण मुद्राएं विमला जी पाटोदी इंदौर द्वारा दी जाएंगी तथा रात्रि में जैन रत्न साधना मांडावत जैन द्वारा भारतीय संस्कृति पर आधारित भव्य नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। रविवार १६ नवम्बर को गिरिराज सम्मेद शिखरजी की सामूहिक पूजा होगी, वहीं सायं ७ बजे सुप्रसिद्ध भजन सम्राट रूपेशजी जैन इंदौर द्वारा भक्ति संगीत का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस समय पवनजी बबीता जी पाटोदी जसपुर निवासी द्वारा लकी ड्रा के माध्यम से ५ प्रतिभागियों को ५ स्वर्ण मुद्राएं प्रदान की जाएंगी। १७ नवंबर को सम्पूर्ण मंदिर के दर्शन होंगे। आयोजकों ने इन सभी दिनों में सात्विक भोजन और आवास की उत्तम व्यवस्था की है। आयोजक पवन जैन गोधा दिल्ली, महाराष्ट्र प्रांत से समाजसेवी सोना सुनीता राकेशजी जैन मुंबई, पीयूषजी जैन, विजयजी जैन चांदीवाले, मुकेशजी पाटोदी वीरेंद्रजी जैन, सुमितजी शाह, महावीरजी कासलीवाल, जीनराजजी डालमिया, आर.के. जैन, चमनलालजी जैन, गौरवजी जैन ग्वालियर, अमितजी जैन राजेशजी जैन, ज्ञानजी काला, इन सभी ने भारत भर के प्रमुख शहरों से सम्मेद शिखरजी तीर्थयात्रा की उत्कृष्ट योजना बनाई है। इस विशाल तीर्थयात्रा का आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का बल्कि सम्पूर्ण समाज को एकजुट करने का भी एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इसके अलावा, ५० वर्षों में पहली बार सम्मेद शिखरजी तीर्थयात्रा करने वालों को आयोजकों की ओर से उपहार स्वरूप एक चांदी का सिक्का दिया जाएगा।

## चुनाव में अब 'स्टार प्रचारकों' की संख्या दोगुनी

### चुनाव आयोग ने ४० प्रमुख प्रचारकों की मंजूरी दी

मुंबई (जमीर काज़ी):

स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव की घोषणा होते ही सभी राजनीतिक दलों ने जोरदार तयारी सुरू केली आहे. प्रचार अभियानासाठी आता त्यांना दुप्पट 'स्टार प्रचारक' नेमता येणार आहेत. राज्य निवडणूक आयोगाने यासाठी २० ऐवजी ४० प्रमुख प्रचारकांची मंजुरी दिली आहे.

राज्यातील स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या निवडणुका प्रथमच २ डिसेंबर रोजी होत असून, त्यामध्ये २४६ नगर परिषद आणि ४२ पंचायत समित्यांचा समावेश आहे. या निवडणुकांसाठी आचारसंहिता लागू झाली आहे. त्यानंतर जिल्हा परिषद आणि महानगरपालिका निवडणुकीच्या तारखा जाहीर करण्यात येणार आहेत.

निवडणुकीत प्रचारकांची संख्या वाढवावी, अशी मागणी विविध राजकीय पक्षांच्या प्रतिनिधींनी राज्य निवडणूक आयोगाकडे केली होती. ही मागणी १४ ऑक्टोबर रोजी झालेल्या बैठकीत मांडण्यात आली होती.

'महाराष्ट्र राज्य राजकीय पक्ष नोंदणी, विनियमन आणि निवडणूक चिन्ह (आरक्षण व वाटप) आदेश, २०२५' मधील परिच्छेद २६ मध्ये प्रमुख प्रचारकांसंबंधी नियम नमूद आहेत. त्या तरतुदी आणि पक्षांच्या मागण्या लक्षात घेऊन आयोगाने प्रचारकांची संख्या वाढविण्याचा निर्णय घेतला आहे.

प्रत्येक राजकीय पक्षाला आपल्या प्रमुख प्रचारकांची यादी संबंधित स्थानिक स्वराज्य संस्थेच्या निवडणुकीसाठी संबंधित जिल्हाधिकारी किंवा महानगरपालिका आयुक्त यांच्याकडे सादर करावी लागेल.

## शिक्षक और स्नातक मतदार संघों के चुनाव के लिए मतदाता पंजीकरण शुरू

विशेष प्रतिनिधि

मुंबई : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार पुणे, नागपुर और औरंगाबाद विभाग के स्नातक मतदार संघों तथा पुणे और अमरावती विभाग के शिक्षक मतदार संघों की द्विवार्षिक चुनावों के लिए मतदाता सूचियाँ नए सिरे से तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

निर्वाचन आयोग की जानकारी के अनुसार, ६ नवंबर २०२५ तक पात्र स्नातकों और शिक्षकों से क्रमशः प्रपत्र १८ और १९ में प्राप्त आवेदनों पर संबंधित निर्वाचन निर्णय अधिकारी निर्णय लेंगे। इसके अनुसार २५ नवंबर २०२५ को प्रारूप मतदाता सूचियाँ प्रकाशित की जाएंगी।

इसके बाद २५ नवंबर से १० दिसंबर २०२५ के बीच नागरिकों को इन सूचियों पर आपत्तियाँ और दावे प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। साथ ही ६ नवंबर के बाद भी स्नातक और शिक्षक प्रपत्र १८ और १९ के माध्यम से मतदाता पंजीकरण कर सकेंगे।

१० दिसंबर २०२५ तक प्राप्त आवेदनों पर विचार करने के बाद ३० दिसंबर २०२५ को अंतिम मतदाता सूचियाँ प्रकाशित की जाएंगी।

शिक्षक और स्नातक मतदार संघों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध है। इच्छुक व्यक्ति https://mahaelection.gov.in/Citizen/Login इस वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। मतदाता पंजीकरण के लिए आवश्यक पात्रता मानदंड, जरूरी दस्तावेज़ और संबंधित जानकारी इस वेबसाइट के चरपरिश्र अनुभाग में देखी जा सकती है। इसलिए अब तक आवेदन न करने वाले पात्र स्नातक और शिक्षकों से अपील की गई है कि वे तुरंत अपना पंजीकरण कराएँ, ऐसा मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है।

## शादी डॉट कॉम पर हुई पहचान पड़ी महंगी

### घटस्फोटिता महिला से बलात्कार और गर्भपात के मामले में आरोपी पर मामला दर्ज

बीड, दिनांक ८ (प्रतिनिधि):

शादी डॉट कॉम वेबसाइट के माध्यम से एक घटस्फोटिता महिला की पहचान एक पुरुषाशी झाली. या ओळखीतून प्रेम संबंध निर्माण झाले आणि विवाहाच्या आश्वासनावरून शारीरिक संबंध प्रस्थापित करण्यात आले. नंतर महिला गर्भवती झाल्यानंतर आरोपीने विवाहास नकार देऊन तिचा गर्भपात करवला आणि नंतर धमक्या देत शारीरिक तसेच मानसिक त्रास दिला. या प्रकरणी बीड येथील शिवाजीनगर पोलिस ठाण्यात छत्रपती संभाजीनगर येथील आरोपीविरुद्ध गुन्हा दाखल करण्यात आला आहे.

बीड येथील ३८ वर्षीय सुशिक्षित, नोकरी करणाऱ्या घटस्फोटिता महिलेनं २०१९ साली शादी डॉट कॉमवर विवाहासाठी आपला परिचय दिला होता. त्यावेळी छत्रपती संभाजीनगरच्या सारावाटीका परिसरातील भूषण शिरीष गायधनी याने तिच्याशी संपर्क साधला आणि लग्नाचा प्रस्ताव ठेवला. महिलेने आपल्या मुलासह विवाह स्वीकारावा अशी अट घातली. सुरुवातीला गायधनी यांनी विचार करण्यासाठी वेळ मागितला आणि नंतर नकार दिला. काही दिवसांनंतर त्यांनी पुन्हा संपर्क साधून लग्नासाठी सहमती दर्शवली आणि मुलाला स्वीकारण्याची तयारी दर्शवली.

या कालावधीत गायधनी यांनी विवाहाचे आमिष दाखवून अनेक वेळा महिलेबरोबर शारीरिक संबंध ठेवले. त्यातून महिला गर्भवती झाली. तिच्या इच्छेविरुद्ध छत्रपती संभाजीनगर येथील धनश्री हॉस्पिटलमध्ये तिचा गर्भपात करण्यात आला. नंतर लग्नाचा विषय काढल्यानंतर आरोपी टाळाटाळ करू लागला. अखेरीस त्याने तिचे फोटो आणि व्हिडिओ व्हायरल करण्याची धमकी देत मारहाण, मानसिक व शारीरिक छळ करण्यास सुरुवात केली.

पीडित महिलेने अखेर बीड येथील शिवाजीनगर पोलिस ठाण्यात तक्रार दाखल केली. पोलिसांनी बलात्कार, धमकी आणि अन्य कलमांनुसार आरोपीविरुद्ध गुन्हा दाखल केल्याची माहिती मिळाली आहे.

## ..तो सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी में शिवसेना (शिंदे गट) से संबंध तोड़ेंगे: नारायण राणे

मुंबई: जमीर काजी

स्थानीय स्वराज्य संस्थानों के चुनावों में महायुति के रूप में ही हमें मैदान में उतरना है, पर यदि कोकण में भाजपा के वर्चस्व को रोकने के लिए विरोधी दल के साथ गूप्तबंधन करने का प्रयास किया गया - तो हम सिंधुदुर्ग और रत्नागिरी जिलों में शिवसेना (शिंदे गट) से अपने रिश्ते तोड़ देंगे। यह चेतावनी पूर्व मुख्यमंत्री श्री नारायण राणे ने शनिवार को दी।

कोकण में राणे समूह का प्रभाव तोड़ने के लिए महायुति के भीतर शिवसेना (उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का गट) और उद्धव ठाकरे गट एक साथ आकर 'शहर विकास आघाडी' बनाकर स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव लड़ने की संभावनाओं पर चर्चा कर रहे हैं। इस कारण भाजपा के कुछ लोग राणे समूह में बेचैनी महसूस कर रहे हैं।

नारायण राणे ने इस मामले पर पत्रकार परिषद बुलाकर ठाकरे गुट व उद्धव ठाकरे पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा,

रण्तागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों में कुछ भी हो, किंतु गठबंधन करने का फैसला हम ही करेंगे - मुझे लगता है यह गठबंधन होना चाहिए। यदि दोनों जिलों में भाजपा के नगराध्यक्ष बैठेंगे, तो हमारी आपसी गठबंधन से ८० प्रतिशत सीटों पर विजय संभव है। यह हर किसी की इच्छा है कि गठबंधन हो और हम भी यही चाहते हैं। रवींद्र चव्हाण और पालक मंत्रियों को इस संबंध में बैठक करनी चाहिए। परंतु यदि भाजपा को रोकने के उद्देश्य से शिवसेना (शिंदे गट) और शिवसेना (ठाकरे गट) का मिलन हुआ, तो हम सिंधुदुर्ग और रत्नागिरी जिलों में शिवसेना (शिंदे गट) से संबंध तोड़ देंगे - उन्हें इसका कड़ा झटका झेलना होगा।

उन्होंने आगे कहा, उद्धव ठाकरे अपने दौरों में सरकार पर आरोप लगा रहे हैं - अब वे बातें कर रहे हैं, पर जब वे मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने क्या किया? अब उनका सारा अस्तित्व समाप्त हो रहा है। अपने अस्तित्व को बचाने के लिए राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं, पर सत्ता हासिल करने की क्षमता इन दोनों में नहीं है। जब उनकी मुंबई में सत्ता थी तब उन्होंने क्या किया? हमारी राजनीतिक पहचान बनाने का श्रेय ये लोग नहीं लेते - यह काम जनता कर रही है। - ऐसे तीखे शब्द राणे ने कहे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com